सब मनुष्य जानें

अनन्त जीवन का संदेश

दो शब्द

क्या आपने कभी सोचा है कि, आपके जीवन का उद्देश्य क्या है? आपको क्यों मरना होगा? मृत्यु के पश्चात् क्या होगा? इस संसार में आप कैसे शान्ति, आनन्द, सुख और क्षमा पा सकते हैं, इन सारे प्रश्नों का उत्तर पवित्र बाइबल में है।

इस पुस्तक में जो लिखा है, वह पवित्र बाइबल में से लिया गया है।

यह इसलिए लिखा गया है, कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र जगत का बचाने वाला है और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ। जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है; और जिसके पास परमेश्वर का पुत्र नहीं, उसके पास जीवन भी नहीं है।

परमेश्वर कौन है?

बाइबल कहती है कि, एक ही सच्चा जीवित परमेश्वर है। वह सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञानी, सर्वव्यापी है। वह दयासागर है। उसकी दया उसकी सारी सृष्टि पर है। परमेश्वर आपके भूत, वर्तमान तथा भविष्य के प्रत्येक विषय एवं कर्मों को जानते हैं। उनसे कुछ छिपा नहीं है और उनके लिए कुछ असंभव नहीं है।

प्रत्येक मनुष्य जिसने इस संसार में जन्म लिया है, परमेश्वर से अलग और पापमय स्वभाव के कारण आशाहीन है। परमेश्वर पवित्र है। वह पाप को देख नहीं सकता और पापी उसके सामने जा नहीं सकते। परन्तु परमेश्वर आपसे प्रेम करता है और वह चाहता है कि, आप हमेशा उसके साथ रहें इसलिए उसने आपके पाप धोने और आपको बचाने के लिए एक ही मार्ग तैयार किया है। वह मार्ग यीशु मसीह है।

पाप क्या है

सब प्रकार के अनुचित कार्य पाप हैं। (1 यूहन्ना 5:17)

पापी कौन है

सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित है। (रोमियों 3:23)

पाप की सजा

पाप की मजदूरी मृत्यु है। (रोमियों 6:23) शारीरिक मृत्यु के बाद पापी अनन्त काल तक के लिए आग और गंधक की झील में दंड पाएगा अगर शारीरिक मृत्यु से पूर्व प्रभु यीशु पर दिल से विश्वास न करेगा।

मृत्यु और न्याय

हर मनुष्य के लिए एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है। (इब्रानियों 9:27)

और पिता किसी का न्याय भी नहीं करता, परन्तु न्याय करने का काम पुत्र को सौंप दिया है। (अर्थात यीशु मसीह को) (यूहन्ना 5:22)

यीशु मसीह कौन है?

पूर्व युग में परमेश्वर ने बाप-दादों से थोड़ा-थोड़ा करके और भांति-भांति से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें करके इन दिनों के अंत में हम से पुत्र के द्वारा बातें की, जिसे उसने सारी वस्तुओं का वारिस ठहराया और उसी के द्वारा परमेश्वर ने सारी सृष्टि की रचना की है।

(इब्रानियों 1:1-2)

सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न नहीं हुई। (यूहन्ना 1:3)

मार्ग, सच्चाई और जीवन यीशु ही है। (यूहन्ना 14:6)
स्वर्ग और पृथ्वी का अधिकार यीशु को दिया गया है।

(मत्ती 28:18)

यीशु ने उनसे कहा, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तो भी जीएगा। (यूहन्ना 11:25)

यीशु का जीवन तथा कार्य

यीशु ने कहा, "तुम में से कौन मुझे पापी ठहराता है? यदि मैं सच बोलता हूँ, तो तुम मेरा विश्वास क्यों नहीं करते? जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर की सुनता है तुम इसलिए उन्हें नहीं सुनते क्योंकि तुम परमेश्वर के नही हो।

(यूहन्ना 8:46-47)

और उसमें कोई भी पाप नहीं है।

(यूहन्ना 3:5)

यीशु ने कहा, "तुम नीचे के हो, मैं ऊपर का हूँ। तुम इस संसार के हो मैं इस संसार का नहीं हूँ। इसलिए मैंने तुमसे कहा कि तुम अपने पापों में मरोगे क्योंकि जब तक तुम विश्वास न करोगे कि मैं वही हूँ, तो अपने पापों में मरोगे।

(यूहन्ना 8:23-24)

यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उनके आराधनालयों में उपदेश करता, परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों को हर प्रकार की बीमारी और हर प्रकार की दुर्बलता को दूर करता रहा। और उसकी चर्चा सम्पूर्ण सीरिया में फैल गई और लोग सब बीमारों को जो विभिन्न प्रकार की बीमारियों तथा दुखों से ग्रसित थे, और जिनमें दुष्टात्माएं थी, मिर्गी वालों को, लकवे के मारे हुओं को सबको उसके पास लाए, और उसने उन्हें चंगा किया।

(मत्ती 4:23-24)

यीशु की मौत और स्वर्गारोहण

इस पर महायाजक ने उससे कहा, "मैं जीवते परमेश्वर की शपथ देता हूँ, कि यदि तू परमेश्वर का पुत्र मसीह है, तो हमसे कह दे। "यीशु ने उससे कहा, तूने स्वयं ही कहा।" (मत्ती 26:63)

मैंने तुम्हारे सामने उसकी जाँच की पर जिन बातों का तुम उस पर दोष लगाते हो, उन बातों के विषय में मैंने उसमें कुछ भी दोष नहीं पाया है। ....और देखो, उसने ऐसा कुछ नहीं किया कि वह मृत्यु दंड के योग्य ठहराया जाये... परन्तु उन्होंने चिल्लाकर कहा, कि उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर।

(लूका 23:14,15, 21)

यह वही काइफा था, जिसने यहूदियों को सलाह दी थी कि हमारे लोगों के लिए एक पुरुष का मरना अच्छा है। (यूहन्ना 18:14)

यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मर गया।

(1 कुरिन्थियों 15:3)

इससे यशायाह नबी की भविष्यवाणी पूरी हुई।

यीशु क्रूस पर मरा और गाड़ा गया और पवित्र शास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जीवित हो उठा। और कैफा को और बाद में बारह चेलों को दिखाई दिया। फिर पांच सौ से अधिक भाईयों को एक साथ दिखाई दिया। (1 कुरिन्थियों 15:4-6)

यह कहकर यीशु उनके देखते-देखते ऊपर उठा लिया गया और बादल ने उसे छिपा लिया और उसके जाते समय जब वे आकाश की ओर देख रहे थे, तो देखा, दो मनुष्य सफेद वस्त्र पहने हुए उनके पास आ खड़े हुए। और कहने लगे, हे गलीली लोगों, तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो? यही यीशु जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुमने उसे स्वर्ग को जाते देखा है, उसी रीति से वह फिर आएगा।

(प्रेरितों के काम 1:9-11)

यीशु फिर से जल्द आ रहा है

"चेलों ने कहा तेरे आने का, और जगत के अन्त का क्या चिन्ह होगा?"

यीशु ने उत्तर दिया जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा, और जगह-जगह अकाल पड़ेंगे और भूकंप होंगे। यह सब बातें पीड़ाओं का आरम्भ होंगी क्योंकि उस समय ऐसा भारी क्लेश होगा, जैसा जगत के आरंभ से न अब तक हुआ और न कभी होगा। (मत्ती 24:3, 7, 8, 21)

"देखो वह बादलों के साथ आने वाला है, और हर एक आंख उसे देखेगी, वरन् जिन्होंने उसे बेधा था, वे भी उसे देखेंगे और पृथ्वी के सारे कुल उसके कारण छाती पीटेंगे। हां। आमीन।

(प्रकाशितवाक्य 1:7)

"उसने (परमेश्वर ने) एक दिन ठहराया है, जिसमें वह उस मनुष्य के द्वारा धर्म से जगत का न्याय करेगा, जिसे उसने ठहराया है, और उसे मरे हुओं में से जिंदा करके यह बात सब पर प्रमाणित कर दी है।

(प्रेरितों के काम 17:31)

यीशु ने अपने शिष्यों से कहा, "मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं, यदि न होते तो मैं तुमसे कह देता क्योंकि मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिए जगह तैयार करूं तो फिर आकर तुम्हें यहां ले जाऊंगा, कि जहां मैं रहूँ वहां तुम भी रहो। (यूहन्ना 14:2 3)

प्रभु यीशु ने कहा, "मार्ग, सच्चाई और जीवन मैं ही हूँ। मेरे बिना कोई पिता परमेश्वर के पास नहीं जा सकता।

(यूहन्ना 14:6)

और सब जातियां उसके सामने इकट्ठी की जाएंगी और जैसा चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग कर देता है वैसा ही वह उन्हें एक दूसरे से अलग करेगा।

(मत्ती 25:32)

पापों से मुक्ति का मार्ग–यीशु

और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें। (प्रेरितों 4:12)

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया। ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। (यूहन्ना 3:16)

मसीह यीशु पापियों का उद्धार करने के लिए इस जगत में आया। (1 तीमुथियुस 1:15)

क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूंढने और उनका उद्धार करने आया है। (लूका 19:10)

आपको क्या करना है

यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने दिल से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिंदा किया, तू निश्चय ही उद्धार पाएगा। जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह लज्जित न होगा इसलिए कि वह प्रभु है, और अपने सब नाम लेने वालों के लिए उद्धार है। (रोमियों 10:9, 11-12)

"प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा। (प्रेरितों के काम 16:31)

यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है। (1 यूहन्ना 1:9)

जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं।

(यूहन्ना 1:12)

यीशु मसीह ने कहा, "देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ, यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा और वह मेरे साथ।

(प्रकाशितवाक्य 3:20)

उद्धार के लिए प्रार्थना

अगर आप परमेश्वर के वचनों पर अपने दिल में विश्वास करते हैं, तब आप उद्धार पाने के लिए इस तरह प्रार्थना कर सकते हैं

प्रभु यीशु, आप परमेश्वर के पुत्र हैं। आपने मेरे पापों के लिए क्रूस पर अपना पवित्र लहू बहाया तथा अपनी जान दे दी और तीसरे दिन जीवित हो उठे इस बात पर मेरा विश्वास है।

प्रभु यीशु मैं आपको अपना प्रभु तथा मुक्तिदाता स्वीकार करता हूँ।

प्रभु यीशु मेरे सारे पापों को क्षमा कीजिए। प्रभु यीशु मुझे आपकी जरूरत है। आप मेरे दिल के अंदर आईये और मेरा मार्गदर्शन कीजिए। मैं आपकी शरण में हूँ। जैसा मनुष्य आप मुझे बनाना चाहते हैं, वैसा ही बनाइये।

आपके पवित्र नाम से, आमीन।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

पुस्तक को वितरण करने वाली संस्था/चर्च से अनुरोध है कि वे अपना पूरा पता या मोहर नीचे दिए गए बॉक्स में लगाएं।

प्रत्येक मनुष्य जिसने इस संसार में जन्म लिया है, परमेश्वर से अलग और पापमय स्वभाव के कारण आशाहीन है। परमेश्वर पवित्र है। वह पाप को देख नहीं सकता और पापी उसके सामने जा नहीं सकते। परन्तु परमेश्वर आपसे प्रेम करता है और वह चाहता है कि, आप हमेशा उसके साथ रहें इसलिए उसने आपके पाप धोने और आपको बचाने के लिए एक ही मार्ग तैयार किया है। वह मार्ग यीशु मसीह है।

Published by:
LOGOS MINISTRIES, NEW DELHI
ISBN: 978-93-80486-36-9
Printed by:
Masihi Sahitya Sanstha, New Delhi